[This question paper contains 2 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 5194 **C** **आपका अनुक्रमांक.....**

Unique Paper Code : 205302

Name of the Paper : Sahitya Chintan – 2

Name of the Course : B.A. (Hons.) Hindi

Semester : III

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. नाटक अथवा कहानी को परिभाषित करते हुए तत्वों के आधाार पर इनमें से किसी एक का विवेचन कीजिए।

अथवा

'नाटकीय द्वंद्व के माध्यम से विकास आख्यानपरक कविता की विषेशता है, प्रगीतात्मक कविता की नहीं।' इस कथन के आधाार पर आख्यानपरक एवं प्रगीतात्मक कविता के अंतर को स्पष्ट कीजिए। (15)

2. किसी एक पर टिप्पणी कीजिए :

(क) विचारप्रधान निबंध

(ख) आत्मकथा (7)

3. 'विरुद्धों का सामंजस्य' से आप क्या समझते हैं ? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'सपाटबयानी बिम्ब-प्रतीक के प्रति विद्रोह है।' इस कथन को स्पष्ट करते हुए सपाटबयानी की अवधारणा पर प्रकाश डालिए। (10)

P.T.O.

4. आदर्शवाद और यथार्थवाद से आप क्या समझते हैं ? इनके अंतर की व्याख्या कीजिए ।

अथवा

सहानुभूति और स्वानुभूति की बहस का परिचय दीजिए । (10)

5. बिम्ब और प्रतीक को समझाते हुए इनके अंतर को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

आधुनिकता एवं आधुनिक बोध से क्या अभिप्राय है ? विद्वानों के विचारों के आलोक में विश्लेषण कीजिए । (10)

6. 'प्रेमचंद साहित्य का उद्देश्य में पुरातन मान्यताओं के विरुद्ध नयी मान्यताओं को प्रस्तावित करते हैं ।' विचार कीजिए ।

अथवा

आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी कृत आधुनिक साहित्य : नई मान्यताएं निबंध का मूल भाव स्पष्ट कीजिए । (15)

7. प्रगतिशील साहित्य और भाषा की समस्या शीर्षक निबंध में रामविलास शर्मा हिंदी-उर्दू भाषा एवं लिपि की समस्या पर क्या विचार व्यक्त करते हैं ? संक्षिप्त विवरण दीजिए ।

अथवा

निम्नांकित गद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

भावों की छानबीन करने पर मंगल का विधान करने वाले दो भाव ठहरते हैं- -करुणा और प्रेम । करुणा की गति रक्षा की ओर होती है और प्रेम की रंजन की ओर । लोक में प्रथम साध्य रहा है । रंजन का अवसर उनके पीछे आता है । अत: साधनावस्था या प्रयत्न-पक्ष को लेकर चलने वाले काव्यों का बीज भाव करुणा ही ठहरती है । (*काव्य में लोकमंगल*; रामचंद्र शुक्ल)

(क) लेखक ने किस तरह के काव्यों का बीज-भाव करुणा को माना है और क्यों ?

(ख) रंजन की ओर जाने वाले प्रेम नामक भाव को लेखक ने दूसरे स्थान पर क्यों रखा है ?

(4 + 4=8)